# महात्मा गांधी

महात्मा गांधी का पूरा नाम मोहनदास करमचंद गांधी था | इनका जन्म २ अक्टूबर, १८६९ को पोरबंदर काठियावाड़ (गुजरात प्रदेश ) में हुआ था | इनके पिताजी राजकोट में दीवान थे | सत्रह वर्ष की आयु में मोहनदास ने मैट्रिक पास किया | कानून पढ़ने के लिए ये इंग्लैंड चले गए | वहाँ से आकर अहमदाबाद में वकालत करने लगे |

एक मुकदमे के संबंध में ये अफ्रीका गए | वहाँ की सरकार ने भारतीयों के लिए जो बुरे कानून बनाए हुए थे उन्हें हटाने के लिए गांधीजी ने सत्याग्रह कर दिया | वे अफ्रीका में रहने वाले भारतीयों के नेता बन गए | ये जेल भी गए | अन्त में इन्हें सफलता मिली |

गांधीजी जब भारत लौटे तो कांग्रेस में शामिल हो गए | भारत में भी उन्होंने असहयोग आन्दोलन चलाया |

आप सदा सत्य बोलते थे | आपके लिए हिन्दू, सिख, मुसलमान, ईसाई सब एक समान थे | आप अपनी गलती को झट स्वीकार कर लेते थे | आप भगवान पर भरोसा रखते थे | आप अहिंसा के पुजारी थे | आप चर्खा कातते और खादी पहनते थे | आपका उपदेश था कि “सदा सत्य बोलो”, “स्वदेशी पहनो”, “हर एक मनुष्य से प्यार करो |”

गांधीजी ने ही भारत को स्वतन्त्र कराया | इसीलिए ये “राष्ट्रपिता” कहलाए | ३० जनवरी, १९४८ को नाथूराम गोडसे ने इन पर गोली चलाई, जिससे ये स्वर्ग सिधार गए | दिल्ली में यमुनातट पर “राजघाट” नाम से इनकी समाधी बनी हुई है |

1- Metindeki cümlelerin yapısı incelenerek, çevirisi yapılacaktır.